आकांक्षा कोंडे आई.ए.एस.
महानिदेशक,
विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड सरकार

महानिदेशालय, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग,देहरादून
दूरभाष नम्बरः 0135–2780483
फैक्स– 2780140
E-Mail: dgeduuk@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस संदेश

स्वतंत्रता दिवस के इस पावन एवं गौरवशाली अवसर पर प्रदेश के समस्त छात्र–छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाधिकारियों, शिक्षाकर्मियों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से शैक्षिक प्रक्रिया से जुड़े सभी सम्मानित जनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए केवल एक राष्ट्रीय पर्व ही नहीं, बल्कि अपने गौरवशाली इतिहास, समृद्ध विरासत, संस्कृति और उन महान उपलब्धियों को स्मरण करने का अवसर है, जिनके आधार पर हमारा राष्ट्र निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। स्वतंत्रता हमें अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों का भी बोध कराती है। आत्मनिर्भरता, कर्मठता, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, लगन और समर्पण के माध्यम से ही राष्ट्र को सशक्त एवं समृद्ध बनाया जा सकता है। अतः हमारा दायित्व है कि स्वतंत्रता के मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक बालक–बालिका को उसकी प्रतिभा, रुचि एवं क्षमता के अनुरूप समान अवसर उपलब्ध हों और वह आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की दिशा निर्धारित कर सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा–2023 की भावना के अनुरूप उत्तराखण्ड में बाल–केंद्रित, अनुभवात्मक, कौशल–आधारित एवं समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कक्षा–कक्ष में सीखने को जीवन से जोड़ने, विद्यार्थियों में जिज्ञासा एवं तार्किक चिंतन विकसित करने तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। विद्यालयों में बाल संसद, विद्यार्थी क्लब, खेलकूद, कला एवं संस्कृति, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, जीवन–कौशल, व्यावसायिक शिक्षा तथा विभिन्न सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। आई0सी0टी0 के क्षेत्र में उत्तराखण्ड राज्य ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनायी है।

हमारे विद्यालयों में पुस्तकालयों को सुदृढ़ करने, खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने, बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा सुरक्षित एवं बाल–अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा, नवाचार एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना आज की आवश्यकता है। तकनीक का विवेकपूर्ण एवं रचनात्मक उपयोग विद्यार्थियों को बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम बनाएगा।

उत्तराखण्ड की भौगोलिक एवं सामाजिक विविधता को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रत्येक बच्चे तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है। विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण का निर्माण, आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, शिक्षक क्षमता–विकास, नवाचार आधारित शिक्षण

तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री उदयीमान खिलाड़ी उन्नयन योजना, अटल उत्कृष्ट विद्यालय, पीएम श्री राजकीय विद्यालय तथा अन्य शैक्षिक एवं कौशल विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए नए अवसर प्रदान कर रहे हैं।

इस पावन अवसर पर मैं प्रदेश के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षा विभाग से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का आह्वान करती हूँ कि हम सब मिलकर एक ऐसे उत्तराखण्ड के निर्माण का संकल्प लें, जहाँ प्रत्येक बालक–बालिका को समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित वातावरण प्राप्त हो। सामूहिक प्रयासों, सकारात्मक सोच, नवाचार एवं आपसी सहयोग के माध्यम से हम शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित कर सकते हैं।

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम राष्ट्र की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करें तथा आत्मनिर्भर, समावेशी, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लें। ज्ञान–विज्ञान, शिक्षा, नवाचार और मानवीय मूल्यों को आधार बनाकर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर समाज और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

इस गौरवशाली राष्ट्रीय पर्व पर मैं एक बार पुनः आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ। आइए, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें और अपने कर्म, ज्ञान एवं संकल्प से उत्तराखण्ड तथा राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें।

जय हिन्द!

जय उत्तराखण्ड!

शुभेच्छु

(आकांक्षा कोंडे)
महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड